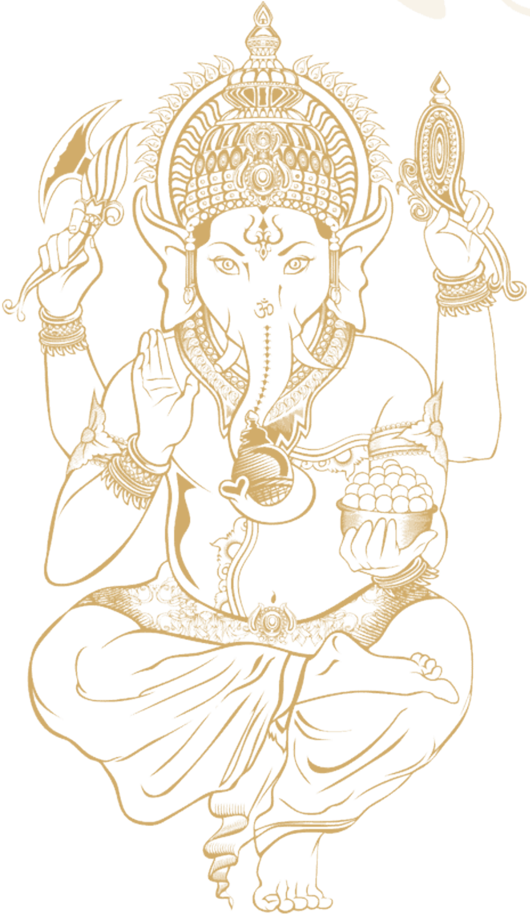

Pari

08 Jan 2026

03:45 PM

Moradabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120915702

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **08/01/2026**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	: **15:45:00 घंटे**
इष्ट	: 21:28:20 घटी
स्थान	: **Moradabad**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:50:00 उत्तर
रेखांश	: 78:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:15:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:30:00 घंटे
वेलान्तर	: -00:06:36 घंटे
साम्पातिक काल	: 22:41:55 घंटे
सूर्योदय	: 07:09:39 घंटे
सूर्यास्त	: 17:33:58 घंटे
दिनमान	: 10:24:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 23:54:49 धनु
लग्न के अंश	: 00:28:15 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	: **उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: सौभाग्य
करण	: गर
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: टे-टेस्टी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:28:15	339:50:31	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			धनु	23:54:49	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	28:27:17	12:48:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	24:10:33	00:46:16	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	15:55:31	01:34:16	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:08:48	00:08:05	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	24:19:43	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	02:25:11	00:04:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:04:12	00:01:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:04:12	00:01:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:32:31	00:01:20	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:23:31	00:00:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:43:27	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:39:16	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

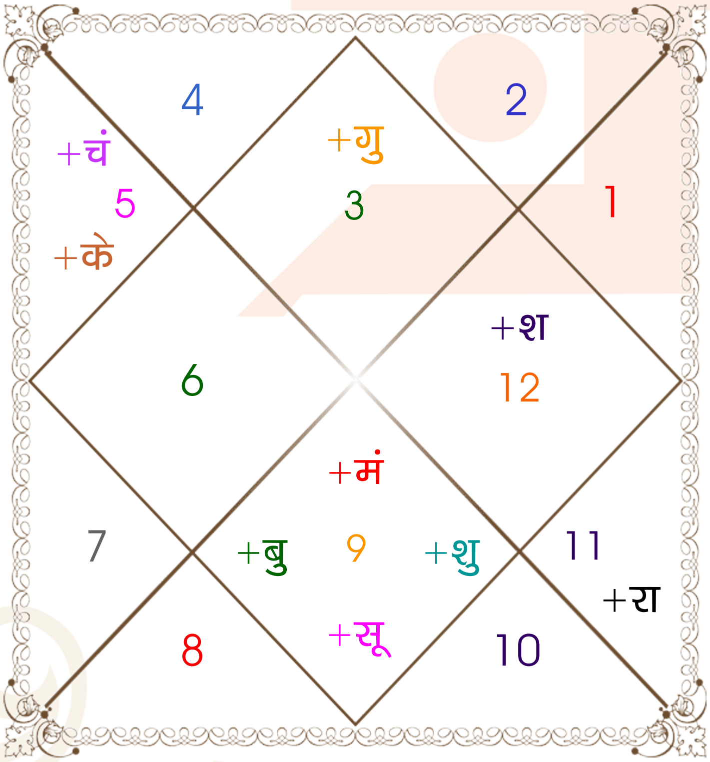

चन्द्र कुंडली

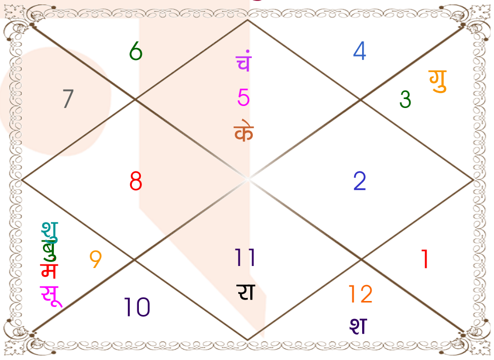

नवमांश कुंडली

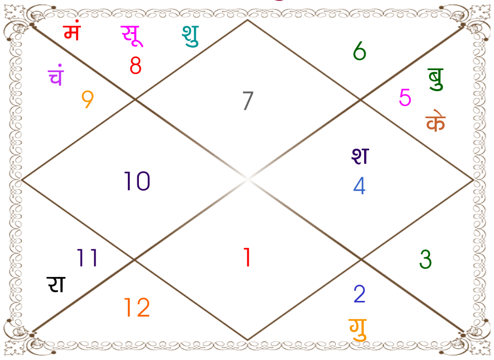

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 2 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
08/01/2026	**21/03/2031**	**20/03/2041**	**20/03/2048**	**21/03/2066**
21/03/2031	**20/03/2041**	**20/03/2048**	**21/03/2066**	**21/03/2082**
00/00/0000	चंद्र 19/01/2032	मंगल 16/08/2041	राहु 01/12/2050	गुरु 08/05/2068
08/01/2026	मंगल 19/08/2032	राहु 04/09/2042	गुरु 26/04/2053	शनि 19/11/2070
मंगल 14/05/2026	राहु 18/02/2034	गुरु 11/08/2043	शनि 02/03/2056	बुध 24/02/2073
राहु 08/04/2027	गुरु 20/06/2035	शनि 19/09/2044	बुध 19/09/2058	केतु 31/01/2074
गुरु 25/01/2028	शनि 18/01/2037	बुध 16/09/2045	केतु 08/10/2059	शुक्र 01/10/2076
शनि 06/01/2029	बुध 20/06/2038	केतु 12/02/2046	शुक्र 07/10/2062	सूर्य 20/07/2077
बुध 13/11/2029	केतु 19/01/2039	शुक्र 14/04/2047	सूर्य 01/09/2063	चंद्र 19/11/2078
केतु 21/03/2030	शुक्र 19/09/2040	सूर्य 20/08/2047	चंद्र 02/03/2065	मंगल 26/10/2079
शुक्र 21/03/2031	सूर्य 20/03/2041	चंद्र 20/03/2048	मंगल 21/03/2066	राहु 21/03/2082

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
21/03/2082	**21/03/2101**	**22/03/2118**	**21/03/2125**	**21/03/2145**
21/03/2101	**22/03/2118**	**21/03/2125**	**21/03/2145**	**00/00/0000**
शनि 23/03/2085	बुध 18/08/2103	केतु 18/08/2118	शुक्र 21/07/2128	सूर्य 09/07/2145
बुध 01/12/2087	केतु 14/08/2104	शुक्र 18/10/2119	सूर्य 21/07/2129	चंद्र 07/01/2146
केतु 09/01/2089	शुक्र 15/06/2107	सूर्य 23/02/2120	चंद्र 22/03/2131	मंगल 09/01/2146
शुक्र 11/03/2092	सूर्य 20/04/2108	चंद्र 23/09/2120	मंगल 21/05/2132	00/00/0000
सूर्य 21/02/2093	चंद्र 20/09/2109	मंगल 19/02/2121	राहु 22/05/2135	00/00/0000
चंद्र 22/09/2094	मंगल 17/09/2110	राहु 09/03/2122	गुरु 20/01/2138	00/00/0000
मंगल 01/11/2095	राहु 05/04/2113	गुरु 13/02/2123	शनि 21/03/2141	00/00/0000
राहु 07/09/2098	गुरु 12/07/2115	शनि 24/03/2124	बुध 20/01/2144	00/00/0000
गुरु 21/03/2101	शनि 22/03/2118	बुध 21/03/2125	केतु 21/03/2145	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।